



|| श्री गणेशाय नमः ||

राशिफल

Arshi

04/05/2000 09:55

Haridwar

द्वारा उत्पन्न



पुजारी जी

बुनियादी ज्योतिषीय विवरण

बुनियादी विवरण

जन्म की तारीख	04/05/2000
जन्म का समय	09:55
जन्म स्थान	Haridwar
अक्षांश	29.9456906
देशान्तर	78.1642478
समय क्षेत्र	5.5
अयनांश	23.866477357986668
सूर्योदय	05:34:59
सूर्यास्त	18:52:00

घटक चक्र

महीना	रवि
तिथि	1 (प्रतिपदा), 6 (षष्ठी), 11 (एकादशी)
विपरीत लिंग लग्न	तुला
नक्षत्र	माघ
भगवान	शुक्र
समलिंगी लग्न	मेष
Tatva	जल
रासी	मेष

पंचांग विवरण

तिथि	प्रतिपदा
योग	सौभाग्य
नक्षत्र	भरानी
करण	किमस्तुधना

ज्योतिषीय विवरण

वर्ण	क्षत्रिय
वास्या	चतुष्पाद
योनि	हाथी
तिथि	शु.प्रतिपदा
नक्षत्राधिपति	शुक्र
नक्षत्र	भरानी
प्रबल	मिथुन
Tatva	अग्नि
करण	किमस्तुधना
नक्षत्र स्वामी	मंगल
दलदल	सोना
नाम वर्णमाला	ली
रासी	मेष
नाड़ी	पित्त

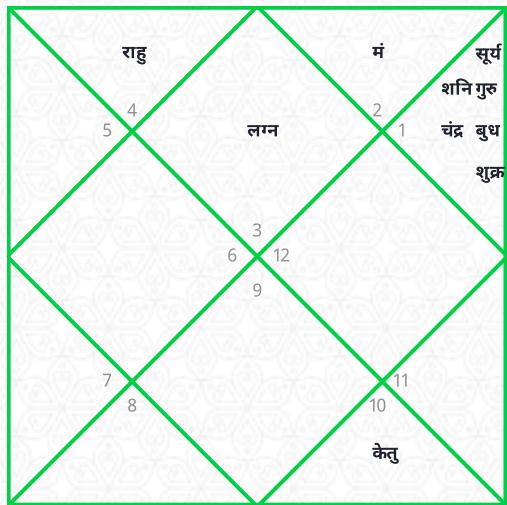
ग्रहों की स्थिति

ग्रहों	आर	संकेत	डिग्री	साइन लॉड	नक्षत्र	नक्षत्राधिपति	घर
लग्नश		मिथुन	84.9068471163349	बुध	पुनरवसु(2)	बृहस्पति	1
सूर्य	मेष		20.156932584741952	मंगल	भरानी(3)	शुक्र	11
चंद्रमा	मेष		20.262250161676015	मंगल	भरानी(3)	शुक्र	11
मंगल	वृषभ		36.414241985204974	शुक्र	कृतिका(3)	सूर्य	12
बुध	मेष		14.3577194361825	मंगल	भरानी(1)	शुक्र	11
बृहस्पति	मेष		23.073367785386257	मंगल	भरानी(3)	शुक्र	11
शुक्र	मेष		9.924830252647325	मंगल	अश्विनी(3)	केतु	11
शनि	मेष		25.73040850554668	मंगल	भरानी(4)	शुक्र	11
राहु	कैंसर		94.65380181778296	चंद्रमा	पुष्य(1)	शनि	2
केतु	मकर		274.65380181778295	शनि	उत्तराषाढ़ा(3)	सूर्य	8

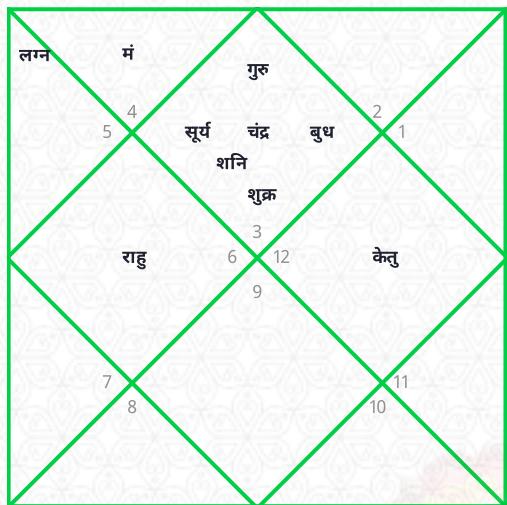
 सूर्य मेष भरानी(3) नुकसानदायक	 चंद्रमा मेष भरानी(3) तटस्थ	 मंगल वृषभ कृतिका(3) अत्यधिक नुकसानदायक
 शनि मेष भरानी(4) लाभकारी	 बृहस्पति मेष भरानी(3) तटस्थ	 शुक्र मेष अश्विनी(3) लाभकारी
 राहु कैंसर पुष्य(1) अशुभ	 केतु मकर उत्तराषाढ़ा(3)	

राशिफल चार्ट

लग्न कुंडली (जन्म कुंडली)

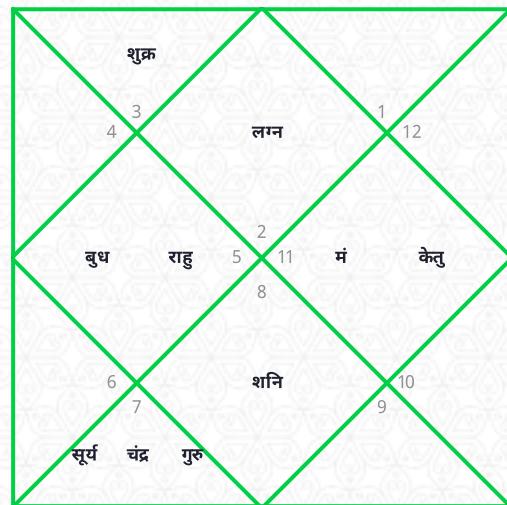


लग्न या लग्न, उस राशि की डिग्री है जो जन्म के समय पूर्वी क्षितिज पर उदित हो रही है। लग्न जन्म कुंडली में सबसे प्रभावशाली और महत्वपूर्ण राशि है। इस राशि को कुंडली का पहला घर माना जाएगा और अन्य घरों की गणना राशि चक्र की बाकी राशियों के अनुसार क्रम से की जाएगी। इस प्रकार, लग्न न केवल उदीयमान चिन्ह को चित्रित करता है, बल्कि चार्ट के अन्य सभी घरों को भी चित्रित करता है।



चंद्र कुंडली

चंद्र चार्ट भविष्यवाणी का एक महत्वपूर्ण उपकरण है और ग्रह संयोजनों के परिणाम तब अधिक प्रमुख होते हैं जब योग या कुछ संयोजन चंद्रमा और लग्न चार्ट दोनों में होते हैं।



नवमांश चार्ट(D9)

नवमांश चार्ट सबसे महत्वपूर्ण मंडल चार्ट है, नवमांश का अर्थ है एक विशेष राशि के नौ भाग जिसमें प्रत्येक अम्सा में 3 डिग्री और 20 मिनट होते हैं।

समग्र मैत्री तालिका

स्थायी मित्रता

ग्रहों	सूर्य	चंद्रमा	मंगल ग्रह	बुध	बृहस्पति	शुक्र	शनि ग्रह
सूर्य	--	दोस्त	--	तटस्थ	दोस्त	दुश्मन	--
चंद्रमा	दोस्त	--	--	दोस्त	तटस्थ	तटस्थ	--
मंगल ग्रह	दोस्त	दोस्त	--	दुश्मन	दोस्त	तटस्थ	--
बुध	दोस्त	दुश्मन	--	--	तटस्थ	दोस्त	--
बृहस्पति	दोस्त	दोस्त	--	दुश्मन	--	दुश्मन	--
शुक्र	दुश्मन	दुश्मन	--	दोस्त	तटस्थ	--	--
शनि ग्रह	दुश्मन	दुश्मन	--	दोस्त	तटस्थ	दोस्त	--

अस्थायी मित्रता

ग्रहों	सूर्य	चंद्रमा	मंगल ग्रह	बुध	बृहस्पति	शुक्र	शनि ग्रह
सूर्य	--	दुश्मन	--	दुश्मन	दुश्मन	दुश्मन	--
चंद्रमा	दुश्मन	--	--	दुश्मन	दुश्मन	दुश्मन	--
मंगल ग्रह	दोस्त	दोस्त	--	दोस्त	दोस्त	दोस्त	--
बुध	दुश्मन	दुश्मन	--	--	दुश्मन	दुश्मन	--
बृहस्पति	दुश्मन	दुश्मन	--	दुश्मन	--	दुश्मन	--
शुक्र	दुश्मन	दुश्मन	--	दुश्मन	दुश्मन	--	--
शनि ग्रह	दुश्मन	दुश्मन	--	दुश्मन	दुश्मन	दुश्मन	--

समग्र मैत्री तालिका

पांच प्रकार की मित्रता

ग्रहों	सूर्य	चंद्रमा	मंगल ग्रह	बुध	बृहस्पति	शुक्र	शनि ग्रह
सूर्य	--	तटस्थ	--	दुश्मन	तटस्थ	कटूर दुश्मन	--
चंद्रमा	तटस्थ	--	--	तटस्थ	दुश्मन	दुश्मन	--
मंगल ग्रह	अंतरंग	अंतरंग	--	तटस्थ	अंतरंग	दोस्त	--
बुध	तटस्थ	कटूर दुश्मन	--	--	दुश्मन	तटस्थ	--
बृहस्पति	तटस्थ	तटस्थ	--	कटूर दुश्मन	--	कटूर दुश्मन	--
शुक्र	कटूर दुश्मन	कटूर दुश्मन	--	तटस्थ	दुश्मन	--	--
शनि ग्रह	कटूर दुश्मन	कटूर दुश्मन	--	तटस्थ	दुश्मन	तटस्थ	--

विंशोत्तरी दशा - 1

शुक्र	
रवि अप्रैल 04 1993	
रवि नवंबर 29 2009	
शुक्र	अप्रैल 04 1993
सूर्य	अप्रैल 04 1994
चंद्रमा	दिसंबर 03 1995
मंगल	फरवरी 01 1997
राहु	फरवरी 01 2000
बृहस्पति	अक्टूबर 01 2002
शनि	नवंबर 30 2005
बुध	सितंबर 29 2008
केतु	नवंबर 29 2009

सूर्य	
शुक्र मार्च 19 2010	
सोम नवंबर 30 2015	
सूर्य	मार्च 19 2010
चंद्रमा	सितंबर 18 2010
मंगल	जनवरी 24 2011
राहु	दिसंबर 19 2011
बृहस्पति	अक्टूबर 06 2012
शनि	सितंबर 18 2013
बुध	जुलाई 25 2014
केतु	नवंबर 30 2014
शुक्र	नवंबर 30 2015

चंद्रमा	
गुरु सितंबर 29 2016	
शुक्र नवंबर 28 2025	
चंद्रमा	सितंबर 29 2016
मंगल	अप्रैल 30 2017
राहु	अक्टूबर 30 2018
बृहस्पति	फरवरी 29 2020
शनि	सितंबर 29 2021
बुध	फरवरी 28 2023
केतु	सितंबर 29 2023
शुक्र	मई 29 2025
सूर्य	नवंबर 28 2025

मंगल	
रवि अप्रैल 26 2026	
शनि नवंबर 27 2032	
मंगल	अप्रैल 26 2026
राहु	मई 14 2027
बृहस्पति	अप्रैल 19 2028
शनि	मई 29 2029
बुध	मई 26 2030
केतु	अक्टूबर 22 2030
शुक्र	दिसंबर 22 2031
सूर्य	अप्रैल 28 2032
चंद्रमा	नवंबर 27 2032

राहु	
शुक्र अगस्त 10 2035	
गुरु नवंबर 24 2050	
राहु	अगस्त 10 2035
बृहस्पति	जनवरी 02 2038
शनि	नवंबर 07 2040
बुध	मई 27 2043
केतु	जून 13 2044
शुक्र	जून 13 2047
सूर्य	मई 07 2048
चंद्रमा	नवंबर 06 2049
मंगल	नवंबर 24 2050

बृहस्पति	
शनि जनवरी 11 2053	
रवि नवंबर 21 2066	
बृहस्पति	जनवरी 11 2053
शनि	जुलाई 25 2055
बुध	अक्टूबर 29 2057
केतु	अक्टूबर 05 2058
शुक्र	जून 04 2061
सूर्य	मार्च 23 2062
चंद्रमा	जुलाई 23 2063
मंगल	जून 28 2064
राहु	नवंबर 21 2066

विंशोत्तरी दशा - 2

शनि		बुध		केतु	
शनि	नवंबर 23 2069	बुद्ध अप्रैल 14 2088	सोम नवंबर 13 2102	बुद्ध अप्रैल 11 2103	मंगल नवंबर 12 2109
शनि	नवंबर 17 2085	बुध	अप्रैल 14 2088	केतु	अप्रैल 11 2103
बुध	अगस्त 01 2072	केतु	अप्रैल 11 2089	शुक्र	जून 10 2104
केतु	सितंबर 10 2073	शुक्र	फरवरी 09 2092	सूर्य	अक्टूबर 16 2104
शुक्र	नवंबर 09 2076	सूर्य	दिसंबर 15 2092	चंद्रमा	मई 17 2105
सूर्य	अक्टूबर 22 2077	चंद्रमा	मई 16 2094	मंगल	अक्टूबर 13 2105
चंद्रमा	मई 23 2079	मंगल	मई 13 2095	राहु	अक्टूबर 31 2106
मंगल	जुलाई 01 2080	राहु	नवंबर 29 2097	बृहस्पति	अक्टूबर 07 2107
राहु	मई 07 2083	बृहस्पति	मार्च 06 2100	शनि	नवंबर 15 2108
बृहस्पति	नवंबर 17 2085	शनि	नवंबर 13 2102	बुध	नवंबर 12 2109

वर्तमान चल रही दशा

दशा नाम	ग्रहों	आरंभ करने की तिथि	अंतिम तिथि
महादशा	चंद्रमा	शुक्र दिसंबर 04 2015 रात 12:00 बजे	गुरु दिसंबर 04 2025 रात 12:00 बजे
अंतर्दशा	शुक्र	बुद्ध अक्टूबर 04 2023 दोपहर 12:24 बजे	बुद्ध जून 04 2025 सुबह 8:24 बजे
पर्यातर्दशा	राहु	गुरु मई 09 2024 दोपहर 4:22 बजे	शुक्र अगस्त 09 2024 रात 12:10 बजे
शुक्रशमदाशा	शुक्र	रवि जुलाई 07 2024 सुबह 6:46 बजे	सोम जुलाई 22 2024 दोपहर 12:04 बजे
प्रणादशा	शनि	बुद्ध जुलाई 17 2024 रात 1:10 बजे	शुक्र जुलाई 19 2024 सुबह 11:00 बजे

* नोट: सभी तिथियां दशा की समाप्ति तिथि दर्शाती हैं।

लग्न रिपोर्ट



लग्न रिपोर्ट : मिथुन

विशेषताएँ	दोहरी, हवादार, पश्चिम
भाग्यशाली रत्न	पत्रा
भगवान	बुध
प्रतीक	जुडवा
उपवास का दिन	बुधवार

|ॐ बुधग्रहाय विश्वहे इन्दु पुत्राय धीमहि तत्त्वे बुधः प्रचोदयात् ॥

आप बुद्धिमान और एक अच्छे संचारक हैं। आप हमेशा सीखना चाहते हैं और गणित और विज्ञान के क्षेत्र में उत्कृष्टता प्राप्त कर सकते हैं। आप में से कुछ अपने साथियों को अपने सवालों और बातूनी स्वभाव से परेशान कर सकते हैं। यदि आपका लग्न स्वामी मजबूत है तो आप धनवान होंगे और विभिन्न क्षेत्रों में अच्छे पदों पर हैं, निजी या सरकारी हो सकते हैं। सप्तम भाव के पीड़ित होने या जन्म कुंडली में ग्रहों का अच्छा संयोजन नहीं होने पर वैवाहिक जीवन अस्त-व्यस्त हो सकता है।

आपकी अतृप्त जिज्ञासा आपको ज्ञान और संचार के हर रास्ते का पता लगाने के लिए प्रेरित करती है। आप गतिशील, बौद्धिक वातावरण में फलते-फूलते हैं।

जबसे भगवन लग्नेश 11 गृह मे है। आप अपने दोस्तों के साथ मित्रवत रहेंगे और उनके माध्यम से लाभ प्राप्त करेंगे। आप उम्र के साथ होशियार हो जाएंगे और केवल उन्हीं से दोस्ती करेंगे जो आपको लाभ दे सकते हैं। आप बड़े संगठनों के साथ काम करना पसंद करते हैं और भाई-बहनों से बहुत कुछ हासिल करेंगे। संचार शैली बहुत सीधी होगी।

लग्न रिपोर्ट

आध्यात्मिक सलाह

अपने आध्यात्मिक पथ पर, ध्यान और सचेतन जागरूकता के माध्यम से मानसिक चपलता विकसित करें। अपने द्वंद्व को गले लगाओ।

सकारात्मक लक्षण

अनुकूलनीय

जिजासु

अभिव्यंजक

बौद्धिक रूप से त्वरित

नकारात्मक लक्षण

सतही

बेचैन

असंगत

चिंतित



धन्यवाद



पुजारी जी

किसी भी प्रश्न के लिए कृपया संपर्क करें